



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, बुधवार, 14 जनवरी, 2009/24 पौष, 1930

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-9, 12 जनवरी, 2009

**संख्या: पी0बी0डब्ल्यू0-ए-ए(3)-2/2005.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, अधिसूचना संख्या पी0बी0डब्ल्यू0(ए)-बी(13)39/94 तारीख 21-1-1997 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता (विद्युत) वर्ग- I, (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:-

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता (विद्युत) वर्ग- I, (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (चतुर्थ संशोधन) नियम, 2009 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

**2. उपाबन्ध-“क” का संशोधन.**—हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता (विद्युत) वर्ग— I, (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1996 में,—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—  
“ 22 (बाईस) ।”

(ख) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(i) पच्चीस प्रतिशत सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर; और

(ii) पचहत्तर प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा।” ।

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—  
“निम्नलिखित में से प्रोन्नति द्वारा:

(i) कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) में से जिनका सात वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित सात वर्ष का नियमित सेवाकाल हो। ... पचास प्रतिशत ।

(ii) कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) में से जो कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) के रूप में सेवाकाल के दौरान ए0एम0आई0ई0 या इसके समकक्ष उपाधि प्राप्त कर लेते हैं और जिनका तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो। ..... दस प्रतिशत ।

(iii) कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) में से, जो कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) के रूप में नियुक्ति के समय इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग या इसके समकक्ष उपाधि रखते हों और जिनका तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा सहित तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो। ..... दस प्रतिशत ।

(iv) कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) में से जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान या केन्द्रीय या राज्य सरकार द्वारा सम्यक् रूप से मान्यता प्राप्त किसी संस्थान से इलैक्ट्रीशियन के ट्रेड में दो वर्ष का प्रमाण—पत्र कोर्स किया हो और जिनका पन्द्रह वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके पन्द्रह वर्ष का नियमित सेवाकाल हो, ऐसा न होने पर उपरोक्त स्तम्भ संख्या (प) में वर्णित प्रवर्ग में से प्रोन्नति द्वारा। ... पांच प्रतिशत ।

सहायक अभियन्ता (विद्युत) के पदों को भरने के लिए निम्नलिखित 20 बिन्दु पद आधारित रोस्टर का अनुसरण किया जाएगा:—

### रोस्टर बिन्दु

पहला, दूसरा,  
तीसरा, सातवां,  
आठवां, चौहदवां,  
पन्द्रहवां,  
अट्ठहरवां,  
उन्नीसवां और  
बीसवां  
चौथा, नौवां, दसवां,  
सोहलवां और  
सतरहवां  
पांचवां और

### प्रवर्ग

डिप्लोमा धारक कनिष्ठ  
अभियन्ता (विद्युत)

सीधी भर्ती

स्नातक कनिष्ठ

ग्यारहवां  
छठा और बारहवां

तेहरवां

अभियन्ता (विद्युत)  
ए0एम0आई0ई0 उपाधि  
धारक कनिष्ठ अभियन्ता  
(विद्युत) ।  
औद्योगिक प्रशिक्षण  
संस्थान से प्रमाण-पत्र  
धारक कनिष्ठ अभियन्ता  
(विद्युत) ।

(रोस्टर प्रत्येक बीसवें बिन्दु के पश्चात् तब तक दोहराया जाता रहेगा जब तक समस्त प्रवर्गों को दी गई प्रतिशतता तक प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता। तत्पश्चात् पद को उसी प्रवर्ग से भरा जाएगा जिससे पद रिक्त हुआ हो।)

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरक पद में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरक प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरक पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित, जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु यह और कि उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती और प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

**स्पष्टीकरण:-** अंतिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबीलाइज्ड आमर्ड फोर्सिज परसोनल (रिजर्वेशन ऑफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नॉन टैक्नीकल सर्विसीज) रूलज, 1972 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया है और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमें (रिजर्वेशन ऑफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसीज) रूलज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व की सम्भरक पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति, उचित चयन के पश्चात् और भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी:

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/—  
सचिव।

**मत्स्यपालन विभाग****अधिसूचना**

शिमला-2, 4 दिसम्बर, 2008

**स।ख्या: फिश-ए (3)-3/90-लजू-**हिमाचल प्रदेश मत्स्य अधिनियम, 1976 (1976 का 16) की धारा 3 की उपधारा (5) के अधीन यथा अपेक्षित के अनुसार हिमाचल प्रदेश फिशरिज (छठवां संशोधन) रूलज, 2007 का प्रारूप इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 18-06-2007 द्वारा इससे संभाव्य प्रभावित होने वाले व्यक्तियों के सूचनार्थ राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में तारीख 31-07-2007 को प्रकाशित किया गया था;

और नियत अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

**1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**-(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश फिशरिज (सिक्स्थ अमैन्डमेन्ट) रूलज, 2008 है ।

**2. नियम 3 (C) का संशोधन.**-(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे । हिमाचल प्रदेश फिशरीज रूलज, 1979 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् "उक्त नियम" कहा गया है) के नियम 3 (C) में, खण्ड (iv) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड (v) जोड़ा जाएगा, अर्थात् :-

“(v) RANJEET SAGAR ESERVOIR:-

Impoundment formed by Ranjeet Sagar Dam (Thein Dam) in the area falling in Chamba District of Himachal Pradesh and it shall be divided into only one beat from the revenue Village Chonka to Khairi, Lahri, Sandhara, Siharu, Chuhan and Bihnu”.

**3. शैड्यूल का संशोधन.**-उक्त नियमों से संलग्न शैड्यूल में क्रम संख्या 6 के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या 7 जोड़ी जाएगी, अर्थात्:-

“7. Ranjeet Sagar Reservoir as per rule 3(C) (V).	Gill Net of size 80-meters long and 5-meters deep minimum mesh size of 5 CMs (from knot to knot)	1st April or date of issue to 31st March	Beat-wise	Rs. 50+15% of the sale proceeds fish by the Fishermen Co-operative Society @ the landing Centre.	1st June to 31st July of each year both days inclusive.
	(ii) Rod and Line	Daily	Beat-wise	Rs. 40/-	1st June to 31st July of each year both days inclusive”.

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

(Authoritative English text of this Department notification No. Fish-A (3)-3/90-Loose, dated 4.12.2008 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India).

## FISHERIES DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, 4<sup>th</sup> December, 2008

**No. Fish-A (3)-3/90-Loose.**—Whereas the draft Himachal Pradesh Fisheries (Sixth Amendment) rules were published, in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-Ordinary) dated 31st July, 2007, as required under sub-section (5) of section 3 of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (Act No. 16 of 1976), vide this Government notification of even number dated 18th June, 2007 for information of the persons likely to be effective thereby;

And whereas no objection or suggestion has been received within the stipulated period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section (3) of the Act *ibid*, the Governor, Himachal Pradesh, hereby makes the following rules, namely:-

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Fisheries (Sixth Amendment) Rules, 2008.

**2. Amendment in rules 3(C).**—(2) They shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh. In rules 3 ( C ) of the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 1979 (hereinafter referred to as the said rules), after clause (iv), the following Clause (v) shall be added, namely:-

“(v) RANJEET SAGAR ESERVOIR:-

Impoundment formed by Ranjeet Sagar Dam (Thein Dam) in the area falling in Chamba District of Himachal Pradesh and it shall be divided into only one beat from the revenue Village Chonka to Khairi, Lahri, Sandhara, Siharu, Chuhan and Bihnu”.

**3. Amendment of Schedule.**—In the Schedule, appended to the said rules after Sr. No. 6, the following Sr. No. 7 shall be added, namely:-

“7. Ranjeet Sagar Reservoir as per rule 3(C ) (V).	Gill Net of size 80- meters long and 5-meters deep minimum mesh size of 5 CMs (from knot to knot)	1st April or date of issue to 31st March	Beat-wise	Rs. 50+15% of the sale proceeds fish by the Fishermen Co-operative Society @ the landing Centre.	1st June to 31st July of each year both days inclusive.
	(ii) Rod and Line	Daily	Beat-wise	Rs. 40/-	1st June to 31st July of each year both days inclusive”.

By order,  
Sd/-  
Secretary.

**PERSONNEL (AP-II) DEPARTMENT****NOTIFICATION***Shimla-2, the 8th January, 2009*

**No. Per. (AP-II) B (2)-1/2005-II.**— By virtue of powers vested in him under Article 316 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to appoint Major General(Retd.) C.M.Sharma as Chairman, Himachal Pradesh Public Service Commission for a term of six years from the date on which he enters upon his office or until he attains the age of sixty two years, whichever is earlier.

By order,  
ASHA SWARUP,  
Chief Secretary.

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Sadar Mandi, District Mandi  
Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Shri Jawala Parshad s/o Shri Vidya Bhaskar, r/o H. No. 31/8, Near Beasa Bridge, Samkhetar Muhalla, Mandi Town, District Mandi (H. P.) .

2. Smt. Durga Devi d/o Shri Netar Lal, r/o V. P. O. Gambhar Khud, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh (At present wife of Shri Jawala Parsad s/o Shri Vidya Bhaskar, r/o H. No. 31/8, Near Beasa Bridge, Samkhetar Muhalla, Mandi Town, District Mandi, Himachal Pradesh . . Applicants.

*Versus.*

General Public

**Subject.**—Application for the registration of Marriage under section 15 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Jawala Parshad s/o Shri Vidya Bhaskar, r/o H. No. 31/8, Near Beasa Bridge, Samkhetar Muhalla, Mandi Town, District Mandi (H. P.) and . Smt. Durga Devi d/o Shri Netar Lal, r/o V. P. O. Gambhar Khud, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh (At present wife of Shri Jawala Parsad s/o Shri Vidya Bhaskar, r/o H. No. 31/8, Near Beasa Bridge, Samkhetar Muhalla, Mandi Town, District Mandi, Himachal Pradesh have filed an application along with affidavits in the court of undersigned under section 15 of Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 21-4-1989 according to Hindu rites and customs and they are living together as husband and wife since then, hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, this general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 29th January, 2009 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 29th day of December, 2008 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-  
Marriage Officer-cum-Sub-Divisional,  
Magistrate, Sadar Mandi,  
District Mandi (H. P.).

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Sadar Mandi, District Mandi  
Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Shri Niraj Sharma s/o Shri Inder Dev Sharma, r/o H. No. 65/2, Purani Mandi, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.) .

2. Smt. Rakhi Sharma d/o Shri Murari Lal, r/o H. No. 210/5, Mahajan Bazar, Mandi Town. District Mandi, Himachal Pradesh (At present wife of Shri Niraj Sharma s/o Shri Inder Dev Sharma, r/o H. No. 65/2, Purani Mandi, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh . . Applicants.

*Versus.*

General Public

*Subject.*—Application for the registration of Marriage under section 15 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Niraj Sharma s/o Shri Inder Dev Sharma, r/o H. No. 65/2, Purani Mandi, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi (H. P.) and Smt. Rakhi Sharma d/o Shri Murari Lal, r/o H. No. 210/5, Mahajan Bazar, Mandi Town. District Mandi, Himachal Pradesh (At present wife of Shri Niraj Sharma s/o Shri Inder Dev Sharma, r/o H.No.65/2, Purani Mandi, Tehsil Sadar Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh have filed an application along with affidavits in the court of undersigned under section 15 of Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 21-11-2000 at their respective homes and they are living together as husband and wife since then, hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 30th January, 2009 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 31st day of December, 2008 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-  
Marriage Officer-cum-Sub-Divisional,  
Magistrate, Sadar Mandi,  
District Mandi (H. P.).

ब अदालत श्री बी० सी० मिश्रा, उप-पंजीकाध्यक्ष कोटली, जिला मण्डी (हि० प्र०)

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री दौलत राम पुत्र स्व० श्री कांशी राम, निवासी तरयासल, उप-तहसील कोटली, जिला मण्डी (हि० प्र०) ।

बनाम

आम जनता

विषय : आवेदन-पत्र जेर धारा 40-41 भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908 वसीयतनामा पंजीकरण हेतु ।

प्रार्थी श्री दौलत राम पुत्र स्व० श्री कांशी राम, निवासी तरयासल ने इस अदालत में एक वसीयतनामा जो मतौफी श्री कांशी राम ने तहरीर करवाया है जो पंजीकृत करने हेतु प्रार्थना-पत्र दिया है । वसीयतकर्ता दिनांक 19-11-2008 को स्वर्ग सिधार चुका है ।

अतः फरीकदोयम उपरोक्त को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त वसीयत पंजीकृत होने में कोई आपत्ति हो तो वह असालतन या वकालतन दिनांक 20-2-2009 को इस अदालत में पेश करें। उपस्थित न होने की सूरत में कार्यवाही एक पक्षीय अमल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 29-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

बी० सी० मिश्रा,  
उप-पंजीकाध्यक्ष कोटली,  
जिला मण्डी (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री सदीक मुहम्मद पुत्र श्री गुलाम दीन, निवासी महाल कृष्णा नगर, तहसील बंगाणा, जिला  
ऊना (हि० प्र०) . . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री सदीक मुहम्मद पुत्र श्री गुलाम दीन, निवासी महाल कृष्णा नगर, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके पिता का नाम स्कूल प्रमाण-पत्र, पंचायत रिकार्ड व अन्य दस्तावेज में गुलाम दीन दुरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसके पिता का नाम गुलाम उल दीन पुत्र श्री फैलदीन गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उसके पिता का नाम कागजात माल में गुलाम उल दीन की बजाए गुलाम दीन पुत्र श्री फैल दीन दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 20-1-2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।



ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री संजीव कुमार पुत्र श्री ज्योति प्रकाश पुत्र श्री दलीप चन्द, निवासी महाल अलसाहन,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री संजीव कुमार पुत्र श्री ज्योति प्रकाश, निवासी महाल अलसाहन, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके दादा का नाम स्कूल प्रमाण—पत्र, पंचायत रिकार्ड व आर्मी रिकार्ड में दलीप चन्द पुत्र श्री हमीरू दुरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसके दादा जी का नाम दलीपू पुत्र श्री हमीरू गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उसके दादा जी का नाम कागजात माल में दलीपू पुत्र श्री हमीरू की बजाए दलीप चन्द पुत्र श्री हमीरू दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 20-1-2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असातन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

-----

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री सोम नाथ पुत्र श्री गुरवचन दास, निवासी महाल कुखेहड़ा जट्टां, तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत नाम दुरुस्ती पंचायत रिकार्ड।

श्री सोम नाथ पुत्र श्री गुरवचन दास, निवासी महाल कुखेहड़ा जट्टां, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके पुत्र का नाम स्कूल रिकार्ड, परिवार रजिस्टर व पंचायत अम्बेहड़ा धीरज में मनीश कुमार दुरुस्त दर्ज है, परन्तु ग्राम पंचायत अरलू के जन्म एवं मृत्यु प्रमाण रजिस्टर में वीर प्रताप पुत्र सोमनाथ गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उसके पुत्र का नाम

ग्राम पंचायत अरलू के जन्म तिथि प्रमाण-पत्र रजिस्टर में वीर प्रताप की बजाए मनीश कुमार पुत्र श्री सोमनाथ दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 20-1-2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

-----

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा,  
जिला ऊना (हि० प्र०)

श्री जालिम सिंह पुत्र श्री बसन्त राम, निवासी महाल मकरैड़, तहसील बंगाणा, जिला ऊना  
(हि० प्र०) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री जालिम सिंह पुत्र श्री बसन्त राम, निवासी महाल मकरैड़, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम स्कूल प्रमाण-पत्र व पंचायत रिकार्ड में जालिम सिंह पुत्र श्री बसन्त राम दुरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसका नाम जैमल सिंह पुत्र श्री बसन्त राम गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए कागजात माल में उसका नाम जैमल सिंह की बजाए जालिम सिंह पुत्र श्री बसन्त राम दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 20-1-2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-12-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री बरिन्द्र शर्मा, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग, ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)

श्री तीर्थ राम पुत्र स्व0 श्री हुक्मी राम पुत्र श्री गौरी दिता, गांव घण्डावल, तहसील व जिला ऊना (हि0 प्र0)।

बनाम

जन साधारण (जनरल पब्लिक), गांव घण्डाकल, तहसील व जिला ऊना (हि0 प्र0)।

“प्रार्थना-पत्र मकफूद उल-खवरी श्री रमेश चन्द पुत्र श्री हुक्मी राम, गांव घण्डावल, तहसील व जिला ऊना (हि0 प्र0) वहक जायज वारसान दर्ज कागजात में करने के सम्बन्ध में”।

नोटिस बनाम जन साधारण आम जनता को बजरिया राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री तीर्थ राम पुत्र श्री हुक्मी राम ने प्रार्थना-पत्र दिया है कि उसके भाई श्री रमेश चन्द गत लगभग 42 वर्षों से लापता है तथा उसकी वारास्त गांव घण्डावल में विद्यमान है इसलिए उसकी वारास्त का इन्तकाल मकफूद उल-खवरी दर्ज किया जाना है उनका यह भी कथन है कि 42 वर्षों से लगातार तलाश की परन्तु आज तक उसके जिन्दा होने अथवा स्वर्गवास होने का कोई प्रमाण/सुराग नहीं मिला है तथा न ही इस अवधि में वह कभी घर आया। इस प्रकार उन्हें आशंका है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है अन्यथा इतने लम्बे अरसे में वह कभी न कभी घर अवश्य आता। ऐसी अवस्था में उसकी वारास्त का इन्तकाल उसके जायज वारसान उसके भाई तीर्थ राम, जगननाथ, बलदेव चन्द समभाग के नाम स्वीकृत कर दिया जायेगा, चूंकि रमेश चन्द शादी शुदा नहीं था।

उपरोक्त के सम्बन्ध में राजपत्र के द्वारा आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को श्री रमेश चन्द के जीवित होने के सम्बन्ध में कोई सबूत/प्रमाण हो अन्यथा मरने के सम्बन्ध में कोई जानकारी हो तो वह दिनांक 6-2-2009 को सायं पांच बजे तक असालतन अथवा वकालतन उपस्थित होकर अपना एतराज पेश कर सकता है, अन्यथा श्री रमेश चन्द को मृत समझकर उसकी वारास्त का इन्तकाल गांव घण्डावल मकफूद उल-खवरी जायज वारसान के नाम स्वीकृत कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 1-1-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर न्यायालय द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

बरिन्द्र शर्मा,  
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता,  
प्रथम वर्ग, ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

